

BID DOCUMENT

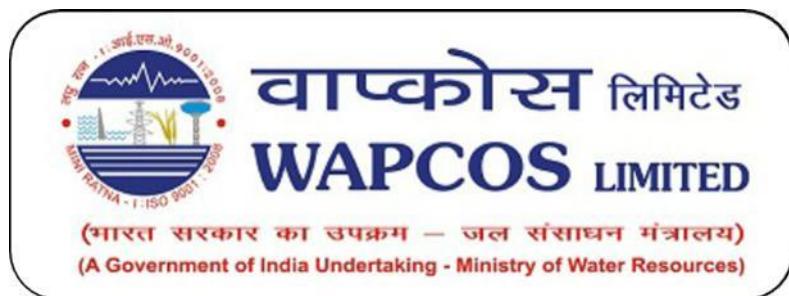
No.: WAP/PMGSY(JCB)/2025-26/05

Dated: - 04.09.2025

SHORT NOTICE INVITING TENDER (NIT)

For

**Emergency Maintenance Work including Slip Clearance and Construction
of Protection Work for Road under PMGSY in Uttarakhand damaged during
Monsoon Period (Jun-September) for Year 2025-26 in Distt. Uttarkashi,
Uttarakhand.**



**Chief Executive Director (Envt. & CM)
WAPCOS Ltd.
(A Government of India Undertaking)
76-C, Sector-18, Institutional Area, Gurugram (Haryana) – 122015
Phone No: -0124-2348698**

INDEX

S. No.	Contents	Reference
1.	Index Page	
2.	Letter for Short Notice Inviting Tender (SNIT)	
3.	Section1: Instruction to Bidders	
4.	Section-2: Tender Form G.P.W. No – 8	
5.	Section-3: General Conditions of Contract as per G. P. W. Form-9 (PWD, Uttarakhand)	
6.	Letter of Submission for Quotations	
7.	Schedule-A: Technical Bid Form	
8.	Schedule-B: Financial Bid Form	
9.	Section-4: Forms & Formats	
a.	Format for Date of Start	
b.	Format for Letter of Acceptance	



No.: WAP/PMGSY(JCB)/2025-26/05

Date: 04.09.2025

SHORT TERM NOTICE INVITING TENDER

उत्तराखण्ड ग्रामीण सड़क विकास अभियान (यूआर0आर0डी0ए0) उत्तराखण्ड की ओर से मुख्य कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण एवं निर्माण प्रबन्धन), वाप्कोस लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा दैवीय आपदा (वर्ष 2025-26) के अन्तर्गत मानसून (जून-सितम्बर) के दौरान पी0एम0जी0एस0वाई0 के अन्तर्गत निर्मित विभिन्न अवरुद्ध मार्गों को खोलने हेतु जे0सी0बी0 से मलवा सफाई कराने के कार्य के लिये **online** निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रपत्र दिनांक 04.09.2025 से 18.09.2025 तक PMGSY की वेबसाइट

<https://www.pmgsytendersuk.gov.in> से निशुल्क डाउनलोड किये जा सकते हैं। निविदा की सभी प्रक्रिया **PMGSY Portal** पर ही सम्पादित की जायेगी। निविदा जमा करने की अन्तिम **तिथि 18.09.2025 को अपराह्न 1:00 बजे** तक है। इच्छुक निविदादाता उपरोक्त पोर्टल पर अपनी निविदा ऑनलाईन जमा करा सकते हैं एवं अन्य आवश्यक निविदा प्रपत्र (Affidavits, Bid Validity, EMD, Bid Document Fee) मूल रूप में स्तम्भ '8' में अंकित कार्यालय में दिनांक 18.09.2025 अपराह्न 1:00 बजे तक जमा करा सकते हैं। प्राप्त निविदायें दिनांक 18.09.2025 को गठित समिति द्वारा अपराह्न 3:00 बजे ऑनलाईन खोली जायेंगी।

निविदा के साथ रु0 100/- का नॉन ज्यूडिशियल स्टॉम्प पेपर मात्र रु0 1.00 के रेवेन्यू टिकट पर हस्ताक्षर कर निविदा की दरों की वैधता के लिये संलग्न करना आवश्यक होगा। निविदा सम्बन्धी सभी शर्तें एवं प्रपत्र जी0पी0डब्ल्यू0-8, जी0पी0डब्ल्यू0-9 व निविदा प्रपत्र एम0एफ0 83, 79/97 तथा मैन्यूअल फॉर्म-69/70 एवं शासनादेश संख्या-2611/111(2)/07-75(सा0)/2000 दिनांक 26.10.2007 के अनुसार मान्य होंगी। कार्यों की सूची निम्नानुसार है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता अवधि	अनुमानित लागत (रु0 में) जी.एस.टी. सहित	निविदा प्रपत्र जमा करने हेतु सम्बन्धित कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8
Emergency Maintenance Work including Slip Clearance during the Monsoon Period (June – September) for Year 2025-26							
PIU-Mori, Distt. Uttarkashi							
1.	Package-17: Emergency Maintenance Work including slip clearance for Jakhol to Liwari Motor Road, Length-20.270 Km. Block Mori, PIU-Mori.	Rs. 16,610/- (in form of FDR)	Rs. 2,000/- (in form of DD- Non-refundable)	04 माह	45 दिन	8,30,484/-	स्थानिक अभियन्ता, वाप्कोस लि0, पी0आई0यू0 मोरी, नियर पंवार लॉज, मोरी, उत्तरकाशी । मो0नं0-9368920601 email id- piumori@w apcos.co.in

2.	<p>Package-18: Emergency Maintenance Work including slip clearance for Kotagon to kalap Motor Road, Length-15.00 Km. Block Mori, PIU-Mori.</p>	<p>Rs. 2,000/- (in form of DD- Non-refundable)</p> <p>Rs. 23,123/- (in form of FDR)</p>	04 माह	45 दिन	11,56,164/-	<p>स्थानिक अभियन्ता, वाप्कोस लि0, पी0आई0यू0 मोरी, नियर पंवार लॉज, मोरी, उत्तरकाशी । मो0नं0-9368920601 email id- piumori@wapcos.co.in</p>
----	--	---	--------	--------	-------------	--

निविदा की शर्तें—

1. निविदायें केवल उन्हीं पंजीकृत ठेकेदारों की मान्य होंगी, जिनका लो0नि�0वि0 में ठेकेदारी में श्रेणी “डी” अथवा “डी” से उच्चतर पंजीकरण होगा तथा उन्हीं के नाम पर जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन का पंजीकरण होगा। इसके लिये ठेकेदारों को निविदा के साथ अपना पंजीकरण प्रमाण-पत्र तथा जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन का पंजीकरण की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उनकी निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
2. अगर निविदादाता के पास खुद के जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन नहीं है पर वह लीज पर मशीन ले रहा है तो लीज संबंधित सभी दस्तावेज तथा जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन का पंजीकरण की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. जे0सी0बी0 मशीन आर0टी0ओ0 में पंजीकृत होनी चाहिए एवं रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित होना चाहिए।
4. निविदायें केवल उन्हीं पंजीकृत ठेकेदारों की मान्य होंगी, जिनके पास जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन का पंजीकरण दिनांक 01.01.2019 के बाद का होगा। इससे पुराने पंजीकरण की जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन विभाग में नहीं लगाई जायेगी।
5. ठेकेदार की जे0सी0बी0 मशीन पर जी0पी0एस0 ट्रेकिंग डिवाईस लगा होना अनिवार्य है।
6. ठेकेदार को निविदा में अपनी जे0सी0बी0 का मुख्यालय लिखना होगा तथा अपने व जे0सी0बी0 ऑपरेटर के दो मोबाइल नं0 भी जे0सी0बी0 पर अंकित करने होंगे।
7. अनुबन्ध गठित होने के पश्चात आवश्यकता पड़ने पर ही सम्बन्धित स्थानिक अभियन्ता की लिखित अनुमति के पश्चात ही मशीन सम्बन्धित मार्ग पर मलवा सफाई/मार्ग खोलने का कार्य करने हेतु भेजी जायेगी। सम्बन्धित स्थानिक अभियन्ता की लिखित अनुमति न होने की स्थिति में कार्य का भुगतान नहीं किया जायेगा।
8. निविदाओं के अनुबन्ध गठित होने के पश्चात जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन के आईडल खडे रहने की स्थिति में विभाग द्वारा उसका कोई भुगतान नहीं किया जायेगा। विभाग द्वारा भुगतान केवल जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन द्वारा कार्य होने के पश्चात ही किया जायेगा, इस सम्बन्ध में किसी भी ठेकेदार का कोई दावा मान्य नहीं होगा।
9. निविदाओं के अनुबन्ध गठित होने के पश्चात सम्बन्धित ठेकेदार को सम्बन्धित स्थानिक अभियन्ता के अधीन मार्ग खोलने हेतु अथवा मलवा सफाई करने हेतु निर्देश प्राप्त होने के अधिकतम 02 घण्टे के भीतर मशीन को सम्बन्धित मार्ग पर कार्य करने हेतु भेजना अनिवार्य होगा, अन्यथा विभाग द्वारा किसी अन्य जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन द्वारा कार्य करा लिया जायेगा तथा ठेकेदार के देयक से ठेकेदार की दरों के डेढ गुने के बराबर कटौती की जायेगी तथा इसी कटौती से किये गये कार्य का भुगतान किया जायेगा। मशीन हेतु ईंधन एवं चालक की व्यवस्था ठेकेदार को स्वयं करनी है, जिसके लिए कोई अन्य दावा मान्य नहीं होगा।
10. निविदाओं में सम्बन्धित ठेकेदार समस्त शर्तों का भली-भांति अध्ययन करने के पश्चात ही अपनी दरें भरें। निविदा प्राप्त होने के पश्चात किसी भी ठेकेदार का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।
11. निविदाओं के अनुबन्ध गठित होने के पश्चात सभी ठेकेदारों को जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन के चलने की लॉग बुक प्रत्येक माह की 05 तारीख से पूर्व मार्गवार सम्बन्धित स्थानिक अभियन्ता /सहायक स्थानिक अभियन्ता से प्रमाणित कराकर शिविर कार्यालय में जमा करनी अनिवार्य होगी, चाहे उस माह जे0सी0बी0/एक्सकावेटर मशीन द्वारा कार्य किया गया हो अथवा नहीं। इसकी जांच स्वयं स्थानिक अभियन्ता द्वारा प्रत्येक माह की 07 तारीख की जायेगी।

12. निविदाओं में यदि किसी ठेकेदार द्वारा एक से अधिक वैद्य निविदायें दी जाती हैं, तो उस ठेकेदार का केवल एक अनुबन्ध गठित किया जायेगा। यदि वह ठेकेदार दोनों निविदाओं में दो अलग-अलग जे०सी०बी०/एक्सकावेटर मशीन के पंजीकरण के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है, तो उसी दशा में उसके दो अलग-अलग अनुबन्ध गठित किये जायेंगे।
13. धन की उपलब्धता के आधार पर ही भुगतान किया जायेगा।
14. निविदा क्रय करने से पूर्व ठेकदार कार्यस्थल की भली-भांति जांच कर लें।
15. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा, जिस हेतु ठेकेदार कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।
16. धरोहर धनराशि FDR के रूप में वाप्कोस लिमिटेड (WAPCOS Limited) के नाम, निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
17. सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी।
18. शासनादेश संख्या—6447/111(2)/11-20(सा०)/11 लो०नि०वि० अनुभाग—2 दिनांक 02 जनवरी, 2013 के अनुसार विभागीय दरों से न्यून दरों पर निविदा आने पर कार्य स्वीकृति के पूर्व अतिरिक्त परफार्मेंस गारंटी/सिक्योरिटी की धनराशि जमा करनी होगी।
19. किसी भी शंका होने की स्थिति में ठेकेदारों द्वारा जमा कराये गये पंजीकरण प्रमाण-पत्रों की विभाग द्वारा जांच कराई जा सकती है।
20. उक्त कार्य हेतु जे०सी०बी० मशीन की आवेदित दरें चालक एवं ईधन की लागत सहित भरी जायेंगी।
21. आपातकाल में ठेकेदार को खण्ड के अन्तर्गत किसी भी मार्ग को खोलने हेतु भी निर्देशित किया जा सकता है, जिसके लिये उसका कोई भी अतिरिक्त दावा मान्य नहीं होगा तथा उसे इन निर्देशों का पालन करना होगा।

भवदीय

(अमृत शर्मा)

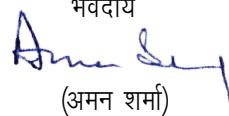
मुख्य कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण एवं निर्माण प्रबन्धन)

वाप्कोस लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)

76-सी०, सैकटर-18, गुरुग्राम-122015 (हरि०)

विशेष शर्तें

1. मार्ग खोलने हेतु जे०सी०बी० द्वारा किए गए कार्य की मात्राएं मानसून पर निर्भर हैं जिस का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता इन मात्राओं में कितनी भी भिन्नता हो सकती है। मात्रा कम होने पर कार्य पूर्ण नहीं माना जाएगा। विभिन्नता हेतु ठेकेदार का किसी भी प्रकार का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।
2. ठेकेदार को जे०सी०बी० मशीन मांग के अनुसार आवश्यकता वाले स्थानों पर 2 घंटे के अंदर उपलब्ध करानी होगी जिसके लिए अतिरिक्त धनराशि देय नहीं होगी।
3. भुगतान विभाग के सक्षम अधिकारी/कर्मचारी द्वारा भरी गई लॉग बुक के सत्यापन उपरांत अनुदान की उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा।
4. मशीन रखरखाव एवं मरम्मत इत्यादि की संपूर्ण जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।
5. समस्त कार्य पी०एम०जी०एस०वाई० की विस्तृत विशिष्टियों के अनुरूप करने होंगे तथा समय-समय पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्य करना होगा।
6. जे०सी०बी० मशीन हेतु इंधन व चालक इत्यादि की व्यवस्था ठेकेदार को स्वयं करनी होगी जिसका अलग से विभाग द्वारा कोई भुगतान नहीं किया जाएगा।
7. ठेकेदार को पूर्ण पत्राचार का पता एवं संपर्क नंबर अंकित करना होगा, तथा पता व संपर्क नंबर में परिवर्तन की सूचना विभाग को तुरंत देना अनिवार्य होगा, इसके अतिरिक्त मशीन के चालक का भी संपर्क नंबर उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
8. विभाग को उपलब्ध कराई गई मशीन के खराब होने की स्थिति में कार्य अवरुद्ध ना हो इसलिए कार्यस्थल में 2 घंटे के अंदर दूसरी मशीन ठेकेदार द्वारा विभाग को उपलब्ध करानी अनिवार्य होगी।
9. जे०सी०बी० मशीन के ऑपरेटर को विभाग द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले कार्य के संबंध में आवश्यक निर्देश प्राप्त किए जाने आवश्यक होंगे तथा उनसे लगातार संपर्क रखना होगा।
10. जे०सी०बी० मशीन द्वारा कार्य किए जाने पर किसी सार्वजनिक संपत्ति/निजी संपत्ति की क्षति होने पर ठेकेदार उसके लिए स्वयं उत्तरदाई रहेगा इस संबंध में विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
11. आपातकाल में ठेकेदार को खंड के अन्य मार्गों को खोलने हेतु निर्देशित किया जा सकता है जिसके लिए उसका कोई भी अतिरिक्त दवा मान्य नहीं होगा तथा उसे इन निर्देशों का पालन करना होगा।

भवदीय

(अमृत शर्मा)
मुख्य कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण एवं निर्माण प्रबन्धन)
वाप्कोस लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
76-सी०, सैकटर-१८, गुरुग्राम-१२२०१५ (हरियाणा)

SECTION-1: INSTRUCTIONS TO BIDDERS

1.0 Online Tenders are hereby invited by Chief Executive Director (Envt. & CM), WAPCOS Limited, Gurugram, Haryana on behalf of Uttarakhand Rural Road Development Agency (URRDA) (hereinafter referred to as “Employer”) from reputed and experienced firms/contractor registered in Class-D and above in PWD or equivalent department (hereinafter referred to as “Bidder”) for **Emergency Maintenance of Roads including Slip Clearance and Construction of Protection Works under PMGSY in Uttarakhand damaged during Monsoon Period (Jun-September) for Year 2025-26**” in Almora, Bageshwar, Mori and Tehri Districts as mentioned in the NIT. Any kind of JV / Consortium is not allowed for this work.

2.0 Bid Validity

The offer(s) shall be valid for a period of 45 (Forty-five days) from the date of opening the tender. Conditional bids shall be rejected.

3.0 Scope of Work

The Scope of work includes clearance and Removal of Slip-on Road as specified in the drawing and estimate and instructed by PIU In-charge suitable as per site conditions. Rates shall be quoted by the interested bidder in the prescribed format of BOQ only including all construction and labour charges for execution of the work at site. Quantities included in the BOQ are tentative and shall be executed as and when required in case of emergency only. Payment shall be made to the contractor only on the basis of actual execution/measurements of work at site. Running bill shall be made as per actual progress of work at site. All Payments shall be made to contractor on Back-to-Back basis only on availability of funds/Receiving from the client.

4.0 Essential Qualification Criteria

- a. Bidders must be registered in Class-D and above category with the PWD or equivalent department. Registration Certificate shall be provided by the bidder along with his Bid.
- b. Bidder must have the proof of ownership like RC etc. of the JCB Machine / Excavator (as per condition mentioned in NIT) to be engaged for the mentioned work. All relevant documents in support with shall be provided by the bidder in his Bid.
- c. Bidder must have experience of Construction of Road / Protection Works with-in last 7 Years in the following manner:

One (01) Similar executed work costing not less than 80% of the estimated cost of work.

or

Two (02) Similar executed works of order value each not less than 50% of the estimated cost of work.

or

Three (03) similar executed works of order value not less than 40% of the estimated cost of work.

As a proof, Work Order and Completion Certificate shall be submitted by the bidder in his bid.

- d. Bidder must have valid PAN and GST registration number.
- e. Average Annual Financial Turnover should be at least 50% of the estimated cost of work during the last 3 consecutive Financial Years.
- f. The bidder should not have incurred any loss in more than 2 years in last five financial years. Audited Balance Sheets shall be submitted in its support.

5.0 Bid Document Fee and Earnest Money Deposit

The bidders are requested to submit **Earnest Money Deposit (EMD) in the form of FDR** and **Bid Fee in the form of DD** issued from any nationalized / commercial bank with his bid for the amount mentioned in the NIT against the road work in the name of **WAPCOS Limited**. EMD must be submitted by the bidder along with his bid, failing which his bid shall out rightly be rejected.

6.0 Submission of Bid

Bids shall be submitted online on PMGSY Tendering Portal <https://www.pmgsytendersuk.gov.in>. Technical and Financial Bids shall be submitted online up to the specified last date and time of bid submission.

The bidder shall submit the bid in two separate part online, Part-I, marked as Technical Bid and Part-II, marked as Financial Bid. All the documents provided with Technical Bid are required to be counter signed by the bidder.

Hard copy of the bid along with following documents shall be submitted to the PIU address mentioned in the list in the SHORT NOTICE INVITING TENDER (SNIT).

- Affidavit for correctness of information provided in the bid document on a non-judicial stamp paper of Rs.10/- and shall be attested by Magistrate/ Sub-Judge/ Notary Public
- Bid Fee in Original in form of Demand Draft
- Bid Validity on Rs. 100/- Non-Judicial Stamp Paper with Rs. 1/- revenue stamp
- Bid Security / Earnest Money Deposit in Original (FDR)
- Bank Solvency Certificate

Aforementioned documents are required to be submitted in original up to 1:00 PM of the specified last date of submission either by registered post/ courier service or by hand, failing which the bid will be declared as non- responsive. WAPCOS shall not be responsible for any postal delay on any account. In case date of submission happens to be holiday, then documents may be submitted on next working day up to 1:00 PM.

7.0 Technical Bid

The Technical Bid submission forms are enclosed as Schedule-A respectively.

- 7.1 Bidders shall submit the bid in the formats provided in the Bid Document. Bid shall

includes:

1. Contractor's Registration Certificates with PWD and equivalent department in Class-D and above
2. Bidder must have valid PAN and GST Number. Copy of PAN Card copy and GST Registration shall be provided by the bidder.
3. Bid validity on Rs. 100/- non judicial stamp paper with Rs. 1.00 Revenue ticket.
4. Earnest Money Deposit (EMD) in the form of FDR and Bid Document Fee in form of DD
5. Proof of Ownership of JCB Machine / Excavator and other relevant documents (RC, Machine Insurance Paper, Driving License of Operator etc.). In case of lease, lease agreement copy shall also be provided. JCB machines shall be equipped with GPS tracking device.
6. Bidder must have experience of construction of Protection Works with-in last 7 Years. In proof, Work Order and Completion Certificate shall be submitted by the bidder in his bid.
7. Bank Solvency Certificate 40% to the estimated cost of work and duly addressed to the Employer and having work name is to be submitted by the bidder along with his Technical Bid. Solvency Certificate must have been issued after the date of publication of NIT & be addressed to the tendering authority quoting the name of work.
8. Audited Balance Sheet for the last 5 Financial Years ending last Financial Years

S. No.	Financial Year
1.	2020-21
2.	2021-22
3.	2022-23
4.	2023-24
5.	2024-25

9. Average Annual Financial Turnover should be at least 50% of the estimated cost of work during the last 3 consecutive Financial Years. In this regard, Chartered Accountant Certificate with UDIN shall be submitted by the bidder.
10. Turnover, Profit, Net Worth certificates must be certified by the statutory auditor of the firm/company. Any such certificates must carry the UDIN (Unique Document Identification Number)
11. The bidder should not have incurred any loss in more than 2 years in last five financial years.
12. Counter Signed copy of this document as a token of acceptance of the Terms & Conditions
13. Firm should not be blacklisted from any government organization during last 3 years. An Undertaking shall be submitted by the bidder in this regard.

7.2 WAPCOS reserves the right to verify all statements, information and documents,

submitted by the Agency in the Bid. Any such verification or the lack of such verification by the WAPCOS to undertake such verification shall not relieve the Agency of its obligations or liabilities hereunder nor will it affect any rights of WAPCOS there under.

8.0 Financial Bid

- 8.1** The Agency should quote considering all the items as listed in the **Scope of Works**. The quoted amount shall be inclusive of all prevalent taxes in the country such as GST etc. Rates shall be quoted by the interested bidder in the prescribed format of Bill of Quantities in excel file only provided online on PMGSY Tendering Portal.
- 8.2** The quoted rates/amounts shall cover the costs of executing all activities defined in scope of work. The quoted rates/amounts shall cover costs of remuneration, accommodation, lodging, boarding, transportation, insurance, equipment, material, and other expenses related to the Agency's staff/manpower and the works to be executed. The Agency shall not require or demand any other reward or compensation, either in the form of currency or in other forms, from WAPCOS. All the taxes/statutory duties etc. except GST required in the place of work shall be borne by the Agency.
- 8.3** The quoted rates/amounts shall be deemed to be firm throughout the project till the completion of work and shall not be subject to any adjustment due to increase in price of materials, utilities, taxes, duties etc. or any other input for performance of work and the contract.
- 8.4** Clause removed as bid is being submitted online in PMGSY tendering portal.

9.0 Time of Completion

The time period for the work is 4 months from the Date of Start of the work. The work is type of emergency in nature. Payment shall be made on the basis of actual progress at site and after receiving the funds/approval from the client Uttarakhand Rural Roads Development Agency (URRDA).

10.0 Performance Security, Additional Performance Security & Security Deposit

Performance Security at the rate of 5% of the Contract Price shall be provided by the contractor to the employer at the time of signing of contract in the form of FDR/Performance Bank Guarantee from the nationalized or scheduled commercial banks acceptable to the employer. No Performance shall be deducted from the running bill.

Security Deposit shall remain at the rate of 5% of the Contract Price that shall be deducted from the running bill of the contractor, as per the applicable GCC GPW FORM-9, Clause No. 3 of PWD Uttarakhand. All other Terms and Conditions regarding release shall be followed as per GPW FORM-9.

Additional Performance Security as mentioned at Cl. 3.1.1.3 GCC pg. 2 GPW FORM-9, Clause No.3 is not applicable as per WAPCOS Circular dated 10.12.2020.

11.0 Payment Terms

Payment to the contractor is totally based on the actual execution of the work at site. Payment shall be made to the contractor only after completion of work at site on back-to-back basis on receiving the same from the client Uttarakhand Rural Roads Development Agency (URRDA) depending on availability of funds and authorization thereof.

12.0 Price Escalation

No Price Escalation shall be allowed for the quoted rates of the bidder throughout the period of completion of the work.

13.0 Arbitration

13.1 Resolution of Disputes

Except where otherwise provided in the contract, all questions and disputes relating to the work or the execution or failure to execute the same whether arising during the progress of the work or after the cancellation, termination, completion or abandonment thereof shall be dealt with as mentioned hereinafter:

If the Selected Agency considers any work or any matter in connection with or arising out of the contract or carrying out of the work, to be unacceptable and is resulting in a dispute, it shall be referred to the Nodal Officer from WAPCOS who shall, within a period of thirty days after being requested by the Selected Agency to do so, give written decision to the Selected Agency. Upon receipt of the written decision of the Nodal Officer, the Selected Agency shall promptly proceed without delay to comply with such decision.

13.2 Adjudication of Disputes

Any dispute, controversy or claims arising out of or relating to this Agreement or the breach, termination or invalidity thereof, shall be settled though following mechanism :-

- a. Firstly, the aggrieved party shall write a letter to the other party detailing its grievances and calling upon the other party to amicably resolve the dispute by convening a joint meeting. Accordingly, the parties as per their convenience shall jointly convene the said meeting(s), wherein minutes of the said meeting(s) shall be prepared and countersigned by all the parties. It is mandatory to prepare minutes of meeting(s) and to be countersigned by all the parties, irrespective of the outcome of the said meeting(s).
- b. In the event the parties are unable to reach on any settlement in the said meeting(s), then the aggrieved party shall mandatory resort to pre-litigation mediation mechanism with Delhi High Court Mediation Cell, New Delhi.
- c. It is only upon failure of the pre-litigation mediation mechanism with Delhi High Court Mediation Cell, and then the aggrieved party shall resort to resolution of disputes through arbitration of a Sole Arbitrator. The appointing authority of Sole Arbitrator is CMD, WAPCOS Limited, to which neither of the parties have any objection nor they shall ever objected.
- d. Subject to the parties agreeing otherwise, the Arbitration proceedings shall be conducted in accordance with the provisions of the Indian Arbitration and Conciliation Act, 1996 (amended as on date).
- e. It is also acknowledged and accepted that WAPCOS is only working as Intermediary between the Associate/Sub-Consultant/ Sub-Contractor and the Client, thus in the event, any dispute arises under the present agreement and referred to Arbitration for adjudication, then subject to

corresponding clause in the Contract/ Agreement/ Work Order/ Arrangement between Client & WAPCOS, Client shall also be made party to the said Arbitration proceedings. Also, the award including costs if any passed against WAPCOS and costs incurred in the proceedings shall be the sole responsibility of Principle Employer/ Client. The said clause if found inapplicable, even then the other terms of the Arbitration Clause shall survive and shall be acted upon.

- f. The place/seat of arbitration shall be Delhi and award whether interim or final, shall be made, and shall be deemed for all purpose between the parties to be made, in Delhi. The arbitral procedure shall be conducted in English language and any award or awards shall be rendered in English. The procedural law of the arbitration shall be Indian Law. The award of the arbitrator shall be final and conclusive and binding upon the Parties.
- g. The contract and any dispute or claim arising out of or in connection with it or its subject matter of formation (including non-contractual disputes or claims) shall be governed by and construed in accordance with the laws of India and the Parties submit to sole & exclusive jurisdiction of courts at Delhi.

14.0 Incomplete tenders, conditional tenders, tenders received after the stipulated time shall be summarily rejected.

15.0 Employer reserves the right to reject any or all bids without assigning any reason.

**SECTION-2: TENDER FORM G.P.W. NO.-8
(PWD, UTTARAKHAND)**

G.P.W. 8

जी० पी० डब्लू० प्रपत्र ८

श्रावनादेश सं० ३६६१ ए० सी०-२३ पी० डब्लू०-२३ ए० बी०/१९६६
(दिनांक २२ दिसम्बर १९६६ द्वारा पुनरीक्षित)

लौकिक निर्माण विभाग, (उत्तराखण्ड)

.....(डिविजन प्रभाग).....

(पर्वगना जॉन डिविजन)

ठेकों के लिए दब टेन्डर की प्रतिशत मद

निर्माण कार्य का नाम

टेन्डर देने वाले का नाम

टेन्डर देने वालों को सामान्य अनुदो

- किसी रजिस्टर्ड साझेदारी फर्म द्वारा टेन्डर प्रस्तुत करने की दशा में उस पर उसके किसी साझेदार या उसके यथाविधि बनाये गये अटार्नी द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिए और किसी गैर रजिस्टर्ड साझेदारी फर्म के मामलों में उस पर उसके हर एक साझेदार द्वारा अलग-अलग हस्ताक्षर किये जाने चाहिए और किसी साझेदार की अनुपस्थिति में उस पर उसकी ओर से ऐसे व्यवित द्वारा हस्ताक्षर किये जाने आवश्यक है जिसे ऐसा करने के लिये अटार्नी के अधिकार दिये बये हों। एकमात्र स्वामित्व वाली फर्म द्वारा टेन्डर प्रस्तुत किये जाने की दशा में उस एक मात्र स्वामी का नाम व्यक्त किया जाना चाहिए और उसके फर्म का नाम भी उल्लेख किया जा सकता है टेन्डर देने वालों के हस्ताक्षर यथाविधि साक्षीकृत किये जा सकते हैं।
- जब कोई निर्माण कार्य किसी फर्म द्वारा निष्पादित किया जाये तो उसके भुगतान की रसीद पर तमाम साझेदारों द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिए सिवाये उस दशा में ठेकेदार रजिस्टर्ड फर्म के ऊपर में दिखाये हों उस दशा में रसीद पर फर्म के नाम से किसी ऐसे साझेदार या ऐसे अन्य व्यवितरियों के हस्ताक्षर होने चाहिए जो फर्म के लिए प्रभावकारी रसीद देने के अधिकारी हों।
- कोई भी टेन्डर किसी भी ठी गई भूर्त में किसी परिवर्तन का प्रस्ताव हो या जिसमें किसी प्रकार की अन्य शर्तों का प्रस्ताव हो स्वीकृत किया जा सकता है। जिस निर्माण कार्य के लिए टेन्डर दिया जाये उसका नाम लिफाफे के ऊपर लिखा जाना चाहिए।
- परिमाप की अनुसूचि दरों का उद्धत करते समय शब्द केवल धनराशि के तुरन्त बाद लिखा जाना चाहिए और उसे अंगती पवित्र में नहीं लिखा जाना चाहिए।
- दरों में आंकड़ों और शब्दों में लिखने में ऐसी विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए कि उसके बीच में और कुछ लिखना संभव न हो सके अंकों को लिखने की दशा में शब्दों ल० अंको से पहले और शब्द पैसे दशमलव के अंकों के बाद लिये जाने चाहिए उदाहरण के लिए १.१२ पैसे और शब्दों के लिखते की दशा में शब्द ल० पहले लिखा जाना चाहिए। और शब्द पैसे अंत में लिखा जाना चाहिए तब तक की दर पूरे ल० में न हो तो उसे दशमलव स्थानों तक सदैव होना चाहिए।

६. टेन्डर मानने वाला अधिकारी या उसके यथाविधि प्राप्तिकृत टेन्डर देने वाले व्यक्तियों के सामने टेन्डर स्वोलेगा और वह उपयुक्त प्रपत्र में गुलनात्मक विवरण पत्र के रूप में तमाम टेन्डरों की धनराशि दर्ज करें किसी टेन्डर के स्वीकृत जाने की दशा में उसके साथ प्रेषित बयाने की रसीद ठेकेदार को दे दी जायेगी जो पहचान के लिए विशेष विवरणों और अन्य लेखकों की प्रतियों पर हस्ताक्षर करेगा। टेन्डर अस्वीकृत होने की दशा में उसके बाद उसे टेन्डर के साथ प्रेषित बयाने की धनराशि टेन्डर देने वालों को वापिस कर दी जायेगी।

७. स्वीकार करने वाला अधिकारी सबसे कम मूल्य का टेन्डर स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है उसे यह भी आदि कर है कि बिना कोई कारण बताये बिना स्पष्टिकरण के कोई या सभी टेन्डर अस्वीकार कर दे जिन टेन्डरों में कोई निधि शर्त न दी गयी हो या अपूर्ण हो वे अस्वीकार किये जा सकते हैं स्वीकार करने वाला अधिकारी को यह पूरे टेन्डर को या उसके किसी भाग को स्वीकार करें और टेन्डर देने वाला उद्धृत दर पर उसको पालन करने के लिए बाध्य होगा टेन्डर के साथ दी जाने वाली बयाने की धनराशि साधारणतः निम्नलिखित होगी।

(क) जब टेन्डर की धनराशि २०००) रु० से अधिक न हो। ५०)

(ख) जब उत्तर धनराशि २०००) रु० से अधिक न हो और ५०००) रु० से कम हो १००)

(ग) जब उत्तर धनराशि ५०००) रु० से अधिक न हो और १००००) रु० से कम हो २००)

(क) ५०००) या ५०००) रु० के किसी भाग की प्रत्येक वृद्धि के लिए अतिरिक्त धनराशि १००)

यदि किसी विशेष कारण के संविदा अधिकारी ऐसा उचित समझते हों तो वे ऊपर निश्चित दरों से कम दरों पर बयाने की धनराशि निश्चित कर सकते हैं परन्तु किसी भी दशा में बयाने की धनराशि निर्माण कार्य की अनुमानित लागत के आधे प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए।

टिप्पणी : अधिशासी अभियन्ता अपने विवेक से ५०००/- से कम लागत सङ्क की मिट्टी एकत्र करने के लिए बिना बयाने की धनराशि के टेन्डर स्वीकार कर सकता है और १००००/- से कम लागत के निर्माण कार्यों की दशा में अधिशासी अभियन्ता या अन्य अधिकारी अपने विवेक से सभी टेन्डर देने वालों से या जिनका टेन्डर स्वीकार किया गया हो बयाने की धनराशि मांग सकता है।

निर्माण कार्य के लिए टेन्डर

द्वाया ऊराखण्ड के गजयपाल के लिए निम्नलिखित विज्ञापन में निर्दिष्ट समय के अन्दर निर्दिष्ट दरों और सब प्रकार सज्जा विशेष विवरणों डिजाइनों रेखावित्रों और अनुदेश के अनुसार जिन्हे सामान्य अनुदेश का पैरा १ में और संविदा की शर्तों के उपर्युक्त २ में लिखित रूप से उल्लिखित किया गया है और ऐसी सामग्री से जो दी जायेगी और अन्य प्रकार से लागू होने वाली शर्तों के अनुसार इस ज्ञापन में निर्दिष्ट निर्माण कार्य के निष्पादित टेन्डर देता हूँ देते हैं।

(क) यदि कोई उस निर्माण कार्य में सम्मिलित किये गये हों तो उसका व्यौत्ता अलग-अलग सूची में दिया जाना चाहिए।

(ख) उपयुक्त पैरा ८ के अनुसार

(क) सामान्य विवरण

(ख) अनुमानित लागत रु०

(ग) बयाने की धनराशि रु०

(घ) लिखित आदेश दिनांक

से भुल करने के दिनांक का निर्माण कार्य के लिये दिया गया समय

वैकल्पिक काट दीजिए और उस पर हस्ताक्षर कीजिए	(इ) मद संख्या	निर्माण कार्य की मद	लगभग संख्या का परिमाप	यूनिट प्रति (ए) अंको में	(छ) टेन्डर में दी गई (ज) स्वीकृत दर (ज) शब्दों में
<ol style="list-style-type: none"> जब टेन्डर स्वीकृत अनुमान की दरों से कम या अधिक प्रतिशत पर दिये जायें तो श्री सर्वों में सूचना टेन्डर माँगने वाले अधिकारी द्वारा श्री जानी चाहिए। निर्माण कार्यों की दशा में जब टेन्डर देने वालों से निर्माण कार्यों को विभिन्न मदों के लिए अपनी निजी दर उद्घाट करने वाले की अपेक्षा की गई हो सकत (व) टेन्डर देने वालों द्वारा श्री जाने के लिए खाली छोड़ दिया जाना चाहिए। 					

मैं या हम स्वीकृत अनुमान में दर्ज दरों से अधिक/कम प्रतिशत पर टेन्डर देता हूँ।

या

उक्त दरों पर टेन्डर देता हूँ/देते हैं।

वैकल्पिक काट दीजिए तथा हस्ताक्षर कीजिए

यदि यह टेन्डर स्वीकार किया जाये तो एतद द्वारा इस बात से सहमत हूँ कि अभिलेखों अनुमोदित सेट से संलग्न संविदा की शर्तों की समस्या शर्तों और उपबन्धों का पालन करेंगे और उन्हें पूरा या ऐसा न करने पर उक्त शर्तों में उल्लिखित धनराशि उत्तराखण्ड के राज्यपाल या उसके पद के उत्तराधिकारी द्वारा जब्त कर ली जाये उसका शुगतान करेंगा/करेंगे।

विवरण तथा संख्या दी जाए

इसके साथ/लूँ की धनराशि बयाने की धनराशि के रूप में प्रेषित की जाती है जो मूल संविदा की शर्तों के खण्ड (ख) में निर्दिष्ट प्रतिभूत जमा लूँ में सरकार द्वारा रखी जायेगी।

पहले ठेकेदार के हस्ताक्षर

दिनांक मास २०

साली
.....

टेन्डर की प्रस्तुति करना

त्यवसाय

ठेकेदार के हस्ताक्षर
साक्षी के हस्ताक्षर

यहाँ सिफारिश की गई⁵
या सिफारिश नहीं की गई लिखिए

दिनांक जिता

हस्ताक्षर

मैं एतद् द्वारा उत्तराखण्ड के राज्यपाल की ओर से उपयुक्त टेन्डर स्वीकार करता हूँ।
स्वीकार करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर

दिनांक

सरकारी पद्धनाम

Available From : Deepak Stationery Mart, 29, Rama Market, Dehra Dun.
Ph./Fax : 0135-2654054, Mob. : 9358108724, 9358101558, E-mail : deepakstationarymart@gmail.com

**SECTION-3: GENERAL CONDITION OF CONTRACT AS PER
G.P. W. FORM-9 (PWD, UTTARAKHAND)**



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

G.P.W.-9	
GENERAL CONDITIONS OF CONTRACT	
Clause No.1	The contract means the document forming the tender and acceptance thereof and the formal agreement executed between the Governor of Uttarakhand and the contractor together with the documents referred to therein including these conditions the specifications, designs, drawings and instructions issued from time to time by the Engineer-in-charge and all these documents taken together shall be deemed to form one contract and shall be complementary to another.
Clause No.2	<p>In the contract the following expression shall, unless the context otherwise requires, have the meanings herewith respectively assigned to them.</p> <p>(a) The 'works or work' shall unless there be something either in the subject or context repugnant to such construction shall be construed and taken to mean the works by, or by virtue of the contract, contracted to be executed whether temporary or permanent and whether original, altered, substituted or additional.</p> <p>(b) The 'site' shall mean the land and/or other places on, into or through which work is to be executed under the contract, or any adjacent land path or street through which work is to be executed under the contract or any adjacent land path or street which may be allotted or used for the purpose of carrying out the contract.</p> <p>(c) The 'contractor' shall mean the individual or firm or company whether incorporated or not undertaking the works and shall include the legal personal representatives of such individual or the persons composing such firm or company or the successors of such firm or company and the permitted assigns of such individual or firm or company.</p> <p>(d) The 'Governor' shall mean the Governor of Uttarakhand, his successor or assigns.</p> <p>(e) The Engineer-in-Charge shall mean the Executive Engineer the Assistant Engineer, as the case may be, who shall supervise and be in-charge of the work.</p> <p>(f) The 'Government' shall mean the Government of Uttarakhand.</p> <p>(g) The 'Chief Engineer' shall mean Chief Engineer Level-II Public Works Department Uttarakhand</p> <p>(h) The 'Estimated Cost' shall mean the cost of the work or works as estimated, on the basis of Approved rates by the competent authority .</p> <p>(i) The Department shall mean the Public Works Department, Uttarakhand.</p> <p>(j) Words importing the singular number include plural numbers and vice-versa.</p>
Clause No.3	<p>The contractors shall deposit performance security and extra performance security along with security deposit/ retention money as applicable as per detail given below :-</p> <p>(3.1) <u>Performance Security :-</u></p> <p>(3.1.1) <u>Percentage Rate Contracts –</u></p> <p>(3.1.1.1) <u>For contract agreements of cost upto Rs. 1.00 crore :-</u></p> <p style="padding-left: 20px;">The performance security at the rate of 2% of the contract price or estimated cost of the work whichever is higher shall be provided by the contractor to the employer at the time of signing of the contract agreement in the form acceptable to the employer from reputable local banks including scheduled</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>banks or nationalized banks acceptable to the employer and the remaining 3% performance security shall be deducted from the first running bill paid to the contractor.</p> <p>(3.1.1.2) <u>For contract agreements of cost Rs. 1.00 crore and above:-</u></p> <p>The Performance Security shall be Provided by the Contractor to the Employer not later than the date Specified in the letter of acceptance and shall be issued for an amount of 5%(Five percent) of the Contract Price or estimated cost of the work, whichever is higher, in the form acceptable to the Employer from reputable local Banks including scheduled banks or nationalized banks acceptable to the Employer.</p> <p>The Performance security shall be valid until the date of issuance of completion certificate. The employer may increase the Performance Security to a level sufficient to protect it against the possibility of financial loss, if the lowest evaluated bid is below the estimated cost of the work.</p> <p>(3.1.1.3) <u>Additional performance security:-</u></p> <p>The amount of Additional performance security shall be worked out as follows :-</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Up to 5% below the Estimated Cost; No Additional Performance Security (b) From 5% below to 15% below the estimated cost, An Additional Performance Security of 0.5% of the estimated cost for every 1% below the estimated cost, (c) For more than 15% below the estimated cost, an Additional performance Security of 1% of the estimated amount for every 1.0% below the estimated cost. <p><i>Note :-</i></p> <ul style="list-style-type: none"> ❖ If the percentage below is not a whole number, any percentage above 0.5% shall be rounded, off to next higher whole number and any percentage below 0.5% shall be rounded off to immediate lower whole number. ❖ The Performance Security and Additional Performance Security as Applicable Shall be refunded to the contractor after satisfactory completion of the work and after the payment of the final bill. <p>(3.1.2) <u>Item Rate Contracts-</u></p> <p>(3.1.2.1) <u>For contract agreements of cost upto Rs. 1.00 crore :-</u></p> <p>The performance security at the rate of 2% of the contract price or estimated cost of the work whichever is higher shall be provided by the contractor to the employer at the time of signing of the contract agreement in the form acceptable to the employer from reputable local banks including scheduled banks or nationalized banks acceptable to the employer and the remaining 3% performance security shall be deducted from the first running bill paid to the contractor.</p> <p>(3.1.2.2) <u>For contract agreements of cost Rs. 1.00 crore and above:-</u></p> <p>The Performance Security shall be provided by the contractors to the Employer not later than the date specified in the letter acceptance and shall be issued for an amount of 5% of the Contract Price or the estimated Cost of the work, whichever is higher, in the form acceptable to the Employer from</p>
--	--



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	reputable local banks including scheduled banks or nationalized banks acceptable to the Employer. The performance security shall be valid until the date of issuance of Completion certificate. The Employer may increase the Performance Security to a level sufficient to protect it against the possibility of Financial loss, if the lowest evaluated bid is unbalanced.												
	<p>(3.1.2.3) <u>Additional performance security:-</u></p> <p>The amount of Additional Performance security shall be worked out as follows:-</p> <p>(a) No Additional Performance Security for item rates up to 5% below the estimated item rate,</p> <p>(b) An Additional Performance Security of 10% of the estimated cost of items, for item Rates form 5% to 15% below the estimated rate,</p> <p>(c) An Additional Performance Security of 15% of the estimated cost of items, for item Rates more than 15% below the estimated rate,</p> <p><i>Note: The Performance Security and Additional Performance Security as applicable shall be refunded to the contractors after satisfactory completion of the works and after the payment of the final bill.</i></p>												
	<p>(3.2) <u>Security Deposit :-</u></p> <p>The Employer shall retain from each Payment due to the Contractor an amount of 5% of the bill Amount, subject to a maximum of 5% of the Contract Price until the Defects liability period has passed and the Engineer has certified that all Defects notified by the Engineer to the Contractor before the end of this period have been corrected. The defect liability period shall be 12 months from the date of completion of the contract for non bituminous works and shall be 24 months from the date of completion of the contract for bituminous works.</p>												
Clause No. 4	<p><u>Compensation for Delay:-</u></p> <p>If the contractor fails to maintain the required progress as per Annexure-A or to complete the work and clear the site on or before the Date of completion or extended date of completion, he shall, without prejudice to any right or remedy available under the law to the government on account of such breach pay as agreed compensation the amount calculated at the rates stipulated below if that the progress remains below that specified in Schedule-A or that the work remains incomplete.</p> <p>SCHEDULE- A</p> <p>The date of start of work may be maximum 15 days after the date of registration of contract. Mile stone (s) shall be as per table given below :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>S. No.</th> <th>Financial Progress</th> <th>Time allowed (from date of start)</th> <th>Grace period</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td> <td>1/8th /(12.5%) of the cost of total work done.</td> <td>1/4th (25%) of bonded period.</td> <td>1/8th of the bonded time.</td> </tr> <tr> <td>2</td> <td>3/8th /(37.50%) of the cost of total work done.</td> <td>1/2nd /(50%)of bonded period.</td> <td>-</td> </tr> </tbody> </table>	S. No.	Financial Progress	Time allowed (from date of start)	Grace period	1	1/8th /(12.5%) of the cost of total work done.	1/4th (25%) of bonded period.	1/8th of the bonded time.	2	3/8th /(37.50%) of the cost of total work done.	1/2nd /(50%)of bonded period.	-
S. No.	Financial Progress	Time allowed (from date of start)	Grace period										
1	1/8th /(12.5%) of the cost of total work done.	1/4th (25%) of bonded period.	1/8th of the bonded time.										
2	3/8th /(37.50%) of the cost of total work done.	1/2nd /(50%)of bonded period.	-										



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

3	3/4th /(75%) of the cost of total work done.	3/4th (75%) of bonded period.	-
4	Full/(100%) of the cost of total work done.	Full/(100%) of bonded period.	-

Conditions to withheld the amount in case of non- achievement of milestone:-

- (4.1) If the work is not started by the end of the time given for the first milestone, the agreement shall be immediately finalized and the performance security shall be forfeited.
- (4.2) If the work is started just before the lapse of the first milestone, but not completed by the time given for the grace period, 2.50% of the contract value shall be withheld and it shall only be refundable incase of compensating the target of the first milestone along with the second milestone within the scheduled time of second milestone.
- (4.3) In the event of non achieving the necessary progress as per the second milestone additional 3.50% of the contract value shall be withheld and the total 6.0% withheld money shall only be refundable if the required progress upto second milestone is achieved alongwith the third milestone within the scheduled time of third milestone.
- (4.4) In the event of non achieving the targeted progress upto the third milestone additional 4% of the contract value shall be withheld and total 10% withheld money shall only be refundable if the targeted progress upto third milestone is compensated & achieved alongwith the forth milestone i.e the whole work is completed within the bonded period.
- (4.5) If the whole work upto the forth milestone is not completed within the scheduled or rescheduled time, all the withheld amount of 10% shall be recovered from the contractor from any money due to him by the Government under this contract or any other account what so ever. Otherwise the same will be recoverable as an arrear of land revenue through collector.

The time allowed for execution of the work as specified in the Schedule "A" or the extended time in accordance with these conditions shall be an essence of the Contract. The execution of work shall commence from such time period as mentioned in the contract agreement. If the Contractor commits default in commencing the execution of the work as aforesaid, government shall without prejudice to any other right or remedy available in law ,be at liberty to forfeit the amount as mentioned above.

- ❖ As soon as possible after the contract is concluded, the Contractor shall submit a time and progress chart for each mile stone and get it approved by the Department. The chart shall be prepared in direct relation to the time stated in the Schedule 'A' above for completion of item of the works. It shall indicate the forecast of the dates of commencement and completion of various trades of sections of the work and may be amended as necessary by agreement between the Engineer-in-charge and Contractor within the limitation of time imposed in the contract documents .
- ❖ If the work (s) be delayed by :-
 - I. Force majeure , or
 - II. Abnormally bad weather, or



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>III Serious loss or damage by fire or</p> <p>IV. Civil commotion, local commotion of workmen, strike or lockout, affecting any of the trades employed on the work, or</p> <p>V. Delay on the part of other contractors or tradesmen engaged by Engineer-in charge in execution of work not forming part of the Contract, or</p> <p>VI. Non availability of stores, which are the responsibility of Government to supply, or</p> <p>VII Non- availability or breakdown of tools and plant to be supplied or supported by Government, or</p> <p>VIII. Any other cause which in the absolute discretion of the Engineer-in-charge is beyond the contractors control then upon the happening of any such event causing delay, the contractor shall immediately give notice thereof in writing to the Engineer-in-Charge but shall nevertheless use constantly his best endeavor to prevent or make good the delay and shall do all that may be reasonably required to the satisfaction of Engineer-in-charge to proceed with the work.</p> <p>Request for rescheduling of milestones and extension of time to be eligible for consideration, shall be made by the Contractor in writing within 14 days of the happening of the event causing delay on the prescribed form..</p> <p>In any such case competent authority may give a fair and reasonable extension of time and reschedule the milestone for completion of work as per clause-5.</p>
Clause No.5	<u>Action when whole of performance security is forfeited</u>
	<p>(5.1) The officer accepting the contract on behalf of the Government or the Engineer-in-Charge shall have the power, without prejudice to his right against the contractor in respect of any delay or inferior workmanship or otherwise or to any claims for damage in respect of any breaches of the contract and without prejudice to any rights or remedies under any of the provisions of this contract or otherwise whether the date for completion has or has not elapsed by notice in writing to determine, the contract in any of the following cases:</p>
	<p>(5.1.1) If the contractor having been given by the Engineer-in-charge a notice in writing (which notice under the hand of the Engineer-in-charge or communicated directly or through the Assistant Engineer shall be conclusive evidence) to rectify ,reconstruct or replace any defective work or any work damaged by any reason whatsoever or that the work is being performed in an inefficient or otherwise improper or unworkmanlike manner shall omit to comply with the requirements or such notice for a period of seven days of such notice or if the Contractor shall delay or suspend the execution of the work so that either in the judgment of the Engineer-in-charge (which shall be final and binding) he will be unable to secure completion of the work by the date of completion or he has already failed to complete the work by that date.</p> <p>(5.1.2) If the contractor being a company shall pass a resolution or the court shall</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	make an order that the company shall be wound up or if a receiver or a manager on behalf of a creditor shall be appointed or if circumstances, shall arise which entitle the court or creditor to appoint a receiver or manager or which entitle the court to make winding up order.
	(5.1.3) If the contractor commits breach of any of the terms and conditions of this contract other than those mentioned in sub Clause (5.1.1) above.
	(5.1.4) If the contractor commits any act mentioned in clause 18 hereof.
	(5.2) When the contractor has made himself liable for action under any of the cases aforesaid the officer accepting the contract on behalf of the Government or the Engineer-in-charge shall have powers to adopt any one or more of following courses as he may deem best suited to the interest of Government.
	(5.2.1) To determine or rescind the contract as aforesaid (of which termination or recession notice in writing to the contractor under the hand of the Engineer-in-charge or communicated directly or through the Assistant Engineer shall be conclusive evidence). Upon such termination or recession the security deposit of the contractor shall be liable to be forfeited and shall be absolutely at the disposal of Government.
	(5.2.2) After giving notice to the Contractor to measure up the work of the Contractor and to take such part thereof as shall be unexecuted out of his hands and to give it to another Contractor to complete in which case any expenses which may be incurred in excess of the sum which would have been paid to the original Contractor if the whole work had been executed by him (of the amount of which excess the certificate in writing of the Engineer-in-charge shall be final and conclusive) shall be borne and paid by the original Contractor and may be deducted from any money due to him by the Government under this contract or any other account whatsoever or from his security deposit or the proceed of the sales thereof or a sufficient part thereof as the case may be.
	(5.3) In the event of any one or more of the courses mentioned in Sub Clause(2) above being adopted by the Engineer-in-charge the contractor shall have no claim to compensation for any loss sustained by him by reason of his having purchased or procured any materials or entered into any engagement or made any advances on account or with a view to the Execution of the work of the performance of contract. And in case action is taken under any of the provisions aforesaid, the contractor shall not be entitled to recover or be paid any sum for any work thereof actually performed under this contract unless and until the Engineer-in-charge has certified in writing the performance of such work and the value payable in respect thereof and he shall only be entitled to be paid the value so certified. If the security of the contractor is forfeited as above and same is repeated in other contract agreement the contractor shall be liable to be black listed.
Clause No.6	<u>Contractor remains liable to pay compensation if action not taken under clause 5.</u> In any case in which any of the powers conferred upon the officer



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>accepting the contract on behalf of the Government or Engineer-in-charge by Clause 5 here of, shall have become exercisable and the same are not exercised, the non exercised there of shall not constitute a waiver of any of the condition here of and such power shall not with standing be exercisable in the event of any future case of the default by the contractor for which by any clause or clauses hereof he is declared liable to pay compensation and the liability of the contractor for past and future compensation shall remain unaffected. In the event of the Engineer-in-charge putting in force all or any of the powers vested in him under the preceding Clause, the Engineer-in-charge may if he so desires, take possessions of all or any tools, plant, materials or any stores, in or upon the works or the site thereof or belonging to the contractor or procured by him and intended to be used for the execution of the work or any part thereof, paying or allowing for the same in account at the contract rates or in the case of these not being applicable at current market, rates to be certified by the Engineer-in-charge whose certificate there of shall be final other wise the Engineer-in-Charge may give notice in writing to the contractor or his clerk of the work, foremen or other authorized agent require him to remove, such tools, plant, materials of stores from the premises (within a time to be specified in such notice) and in the event of the Contractor failing to comply with any such requisition, the Engineer-in-charge may remove at the Contractor expenses or sell them by auction or private sale on the account of Contractor and at his risk in all respect and the certificate of the Engineer-in-Charge as to the expenses of any such removal and the amount of the proceeds and expenses of any sale shall be final and conclusive against the contractor.</p>
Clause No. 7	<p><u>Extension of time :-</u></p> <p>The time allowed for execution of work as specified in the schedule "A" or the extended time in accordance with these condition shall be the essence of the contract. The execution of the work shall commence form such time period mentioned in schedule .If the contractor shall desire an extension of the time for completion of the work on the ground of his having been unavoidably hindered in its execution, or any other ground he shall apply in writing to the officer accepting the contract on behalf of the Government through the Engineer-in-Charge and a copy thereof is sent to Engineer-in-Charge within 30 days of the hindrance on account of which he desires such extension as aforesaid, The cases of the extension of the time beyond the time schedule as per milestone shall be submitted to the authority next higher to the officer accepting the contract on behalf of the Government provided that the extension of time should be limited to 50% of the total period of that particular miles stone. In case this period exceeds more than- 50%, it shall be submitted to authority next to next higher to the office accepting the contract as the case may be. Provided always that if the Contractor continues to perform the work obtaining approval for extension as aforesaid the right of the Government to claim compensation under Clause 5 shall not be deemed to have been waived.</p>
Clause No.8	<p><u>Final Certificate:-</u></p> <p>On completion of the work the contractor shall send a registered notice to the Engineer-in-Charge giving the date of completion and sending a copy of it</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>to the officer accepting the contract on behalf of the Government and shall request the Engineer-in-Charge to give him a certificate of completion but no such certificate shall be given nor shall the work be considered to be complete until the contractor shall have removed from the site, on which the work shall be executed all scaffolding, surplus materials and rubbish and cleared off the dirt from all wood work doors, windows, walls, floors, or other parts of any building in, upon or about which the work is to be executed or of which he may have had possession for the purpose of execution thereof, and he has filled up the pits. If the Contractor fails to comply with the requirements of this clause as to removal of scaffolding surplus materials and rubbish and cleaning of dirt and filling of pits on or before the date fixed for completion of the work, the Engineer-in-Charge may at the expense of the Contractor remove such scaffolding, surplus materials and rubbish and disposal of the same as he think fit and clean off such dirt and fill the pits as aforesaid, and the Contractor shall forth with pay the amount of all expenses so incurred and shall have no claim in respect of any scaffolding or surplus materials as aforesaid except for any sum actually realized by the sale thereof. On completion, the work shall be measured by the Engineer-in-Charge himself or through his subordinate, whose measurements shall be binding and conclusive against the contractor, provided that, in subsequent to the measurements taken by the subordinates as aforesaid the Engineer-in-Charge had reason to believe that the measurements by his subordinates are not correct, Engineer-in-charge shall have the power to cancel the measurements already taken by his subordinates and acknowledged by the Contractors and to take measurements again after giving notice to the contractor and remeasurements shall be binding on the contractors .</p> <p>Within fifteen days of the receipt of the notice, the Engineer-in-Charge shall inspect the work and if there is no visible defect on the face of the work, shall give the contractor a certificate of completion. If the Engineer-in-Charge finds that the work has been fully completed, it shall be mentioned in the certificate to be granted. On the other hand, if it is found that there are certain visible defects to be removed, the certificate to be granted by Engineer-in-charge shall specifically mention the details of the visible defects along with the estimate of the cost for removing these defects. The final certificate of completion of work shall be given after the visible defects pointed out as above have been removed.</p>
Clause No.9	<p><u>Intermediate Payments :-</u></p> <p>No Running payments shall be made for work estimated to cost less than Fifty thousand till after the work shall have been completed and a certificate of completion given. But in the case of works estimated to cost more than Rupees Fifty thousand, the contractor shall, on submitting the bill, thereof be entitled to receive a payment passed by the Engineer-in-charge whose certificate of such approval and passing of the sum so payable shall be final and conclusive against the contractor. The maximum amount of intermediate payment shall be limited upto 75 percent of the contract amount. All such intermediate payments shall be regarded as payments for works actually done and completed and shall not preclude bad, unsound and imperfect or unskilled work to be removed and take away and re-constructed or re-corrected, or it shall not be considered as an admission of the due performance of the contractor or any part thereof in any</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>respect of the acquiring of any claim nor shall it conclude, determine or affect in any way the powers of the Engineer-in-Charge under these conditions or any of them as to the final settlement and adjustment of the accounts and otherwise or in any other way vary or affect the contract.</p> <p>The final bill shall be submitted by the contractor within one month of the date fixed for completion of the work or of the date of the certificate of completion furnished by the Engineer-in-Charge and payments shall be made within 3 months of submission of such bill. If there shall be any dispute about any items of the work then the undisputed item or items only shall be paid within the said period. The contractor shall submit a list of the disputed items within 30 days from the disallowances thereof and if he fails to do so his claim shall be deemed to have been fully waived and absolutely extinguished.</p>
Clause No.10	<p><u>Contractors to be given a week to file objection to the measurement recorded by the department:-</u></p> <p>Before taking any measurement of any work as has been referred to in clause 8,9 thereof, the Engineer-in-Charge or subordinate deputed by him shall give reasonable notice to the contractor. If the contractor fails to attend at the time of measurement after such notice or fails to countersign or to record the difference within a week from the date of measurement in the manner required by the Engineer-in-charge then in any such event the measurements taken by the Engineer-in-Charge or by the subordinate deputed by him as the case may be, shall be final and binding on the contractor and the contractor shall have no right to dispute the same.</p>
Clause No.11	<p><u>Stores supplied by the Government:-</u></p> <p>If the specification or schedule of the items provides for the use of any special description of material to be supplied from the Engineer-in-charge's store or if it is required that the contractor shall use certain stores to be provided by the Engineer-in-charge (such materials and stores and the prices to be charged thereof as here-in-after mentioned being so far as practicable for convenience of the contractor, but not so as in any way to control the meaning or effect of this contract, specified in the Schedule or memorandum here to annexed) the contractor shall be supplied with such materials and stores as are required from time to time to be used by him for the purpose of the contract only and the value of the full quantity of materials and stores so supplied at the Rates specified in the said schedule or memorandum may be set off or deducted from any sums then due, or there after to become due to the contractor under the contract or otherwise or against or from the security deposit, or the proceeds of sale thereof, if the same is held in Government securities, the same or a sufficient portion thereof being in the case sold for the purpose. It shall be the responsibility of the contractor to ascertain from time to time, from the Engineer-in-Charge about the position of availability of the materials as afore mentioned and any delay on the part of the Engineer-in-charge to arrange supplies of the same shall not entitle the contractor to any compensation but in the event of all such delays the contractors shall be granted reasonable extension of time. All materials supplied to the contractor are the property of the contractor, but shall not on any account be removed from the site of the work, except with written permission of the Engineer-in-Charge or</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>under his orders and shall at all times be open to inspection by the Engineer-in-charge. Any such materials unused and in-perfectly good condition at the time of completion or determination of the Contract may, by special arrangement be taken over by the Government at the prevailing market rates, if required for use on other works in progress provided that the price allowed shall not exceed the amount charged to the Contractor.</p>
Clause No.12	<p><u>Works to be executed in accordance with specification, drawing etc:-</u></p> <p>The contractor shall execute the whole and every part of the work in the most substantial and work-man like manner and both as regards materials and otherwise in every respect in strict accordance with the specification. The contractor shall also confirm exactly, fully and faithfully to the designs, drawings and instructions in writing relating to the work signed by the Engineer-in-Charge and lodged in his office, and to which the contractor shall be entitled to have access to such office, for the purpose of inspecting during office hours and the contractor shall be furnished free of charge one copy of the specification and of all such designs, drawings, and instructions not included in the detailed specifications for buildings and roads enforced from time to time or any other printed publications on general specifications referred to elsewhere in the contract.</p>
Clause No.13	<p><u>Alteration in specification and design do not invalidate contract:-</u></p> <p>The Engineer-in-charge shall have the authourity to make any alteration or omission from, additions to or substitution for the original specification, drawings, designs, and instructions that may appear to him to be necessary during the progress of the work and the contractor shall carry out the work in accordance with any instructions that may be given to him in writing singed by the Engineer-in-charge and such alterations, omission, addition, or substitutions shall not, invalidate the Contract any altered additions, or substituted work which the contractor may be directed to do in the manner as above specified as part of the work shall be carried out by the Contractor on the same conditions in all respect on which he agreed to do the main work. The time for the completion of the work shall be extended in the proportion that the altered, additional or substituted work bears to the original contract work and the certificate of the Engineer-in-charge shall be conclusive as to such proportion. Over and above this, a further period to the extent of 25 percent of the time so extended may be allowed to the contractor. The rates for such additional, altered or substituted work under this clauses shall be worked out in accordance with the following provisions in their respective order:-</p> <p>13.1 If the Rate for the additional, altered, or substituted work are specified in the contract for the work, the Contractor is bound to carry out the additional, altered or substituted work at the same rates as are specified in the contract of the work.</p> <p>13.2 If the rates for the additional, altered or substituted work include any work for which no rates are specified in the contract for the work or can not be derived from the similar class of work in the contract then such work shall be carried out at the rates entered in the Schedule of rates minus/plus percentage</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>which the total tendered amount bears to the estimated cost of the entire work put to tender.</p> <p>13.3 If the rates for the additional, altered or substituted work are not specifically provided in the contract for the work, the rate will be arrived from the rates for similar class of work, as are specified in the contract for the work.</p> <p>13.4 If the rates for the additional, altered or substituted work can not be determined in the manner specified in sub clauses 13.1 to 13.3 above, the rates for such work shall be worked out on the basis of the Schedule of Rate minus/plus the percentage which the total tendered amount bears to the estimated cost of the entire work put to tender, provided always that if the rates for a particular part or parts of the item is not in the Schedule of rate, rate for such part or parts will be determined by the officer accepting the contract and approved by next higher to the officer accepting the contract on behalf of the Government on the basis of the prevailing market rates when the work was done.</p> <p>13.5 If the rates of the additional, altered or substituted work can not be determined in the manner specified in sub clause 13.1 to 13.4 above, then the contractor shall within 7 days of the date of receipt of the order to carry out the work inform the officer accepting the contract on behalf of the Government of the rate which it is his intention to charge for such class of work, supported by analysis of the rates claimed and the Superintending Engineer shall determine the rate or rates on the basis of the prevailing market rates and pay the contractor accordingly. However the officer accepting, the contract on behalf of the Government by notice, in writing will be at liberty to cancel his order to carry out such class of the work and arrange to carry it out in such manner as he may consider advisable. But under no circumstances, the contractor, shall suspend the work on the plea of non settlement of rates of items, falling under this clauses:-</p> <p>The quantities for the additional, altered or substituted work and the rates thereof under sub-clause (1) to (3) shall be worked out by the officer accepting the contract on behalf of the Government and shall be approved by the officer next higher to the officer accepting the contract.</p>
Clause No.14	<p><u>No compensation for alteration in or restriction of the work to be carried out:-</u></p> <p>If at any time after the commencement of the work the Government of Uttarakhand or the Chief Engineer shall for reason whatsoever not require the whole work thereof as specified in the tender to be carried out, the Engineer-in-charge shall give notice in writing of the fact to the contractor who shall have no claim to any payment or compensation whatsoever on account of any profit or advantage, which he might have derived from the execution of the work in full, but which he did not derive in consequence of the full amount of the work not having been carried out, neither shall have any claim for compensation by reason of any alteration having been made in the original specifications, drawings, designs, and instructions which shall involve any curtailment of the</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>work as originally contemplated nor shall have any claim to compensation by reason of his having purchased or procured materials with a view to the execution of the work or the performance of the contract. But the Engineer-in-charge shall have the option either to take over the materials at site, if of approved quality and not in excess of the requirements of the work and to pay to the contractor the actual cost thereof (of the amount of which cost, a certificate by the Engineer-in-charge shall be binding on the contractor). In the event of this option not being exercised, the contractor may submit to the Engineer-in-charge within one month of the date of the order closing down the work a detailed statement of the loss that estimate he will sustain by removing, selling or otherwise disposing of the materials. The estimate will be forwarded to the Chief Engineer who will decide what sum, if any, should as a matter of grace be paid to the contractor to compensate him for the loss suffered by him and the decision of Chief Engineer shall be final and binding on the contractor.</p>
Clause No.15	<p><u>Action and compensation payable in case of bad work:-</u></p> <p>If it shall appear to the Engineer-in-charge or his subordinate-in-charge of the work, that any work has been executed with unsound, imperfect, unskillful workmanship or with materials of any inferior description or that any materials or articles provided by him for the execution of the work are unsound or of a quality inferior to that contracted for or otherwise not in accordance with the contract, the contractor shall, on demand in writing from the Engineer-in-charge specifying the work material or articles complained of not- with- standing that the same may have been in advertantly passed, certified and paid for forth-with rectify or remove and reconstruct the work so specified in whole or in part as the case may require or as the case may be, remove the materials and articles so specified and provide other proper and suitable articles at his own proper charge and cost, and in the event of his failing to do so within a period to be specified by Engineer-in-charge in his demand aforesaid the Engineer-in-charge may rectify or remove and re-executed the work or remove and replace with others, the materials or articles complained of as the case may be at the risk and expenses of the contractor in all respects of the contract.</p>
Clause No.16	<p><u>Work to be open to inspection:-</u></p> <p>All work under or in the course of execution or executed in pursuance of the contract shall at all times be open to the inspection and supervision of the Engineer-in-charge and his subordinates, and the contractor shall at all times during the usual working hours and at all other time, at which reasonable notice of the Engineer-in-charge or his subordinate to visit the works shall have been given to the contractor, either himself be present to receive orders and instructions, or have a responsible agent duly authorized in writing to be present for that purpose. Orders given to the contractor's agent shall be considered to have the same force as if they had been given to the contractor himself.</p>
Clause No.17	<p><u>Notice to be given before work is covered up:-</u></p> <p>The contractor shall give not less than seven days notice in writing to the Engineer-in-charge or his subordinate in charge of the work before covering up or otherwise placing beyond the reach of measurement any work such as Earthwork, Base Concrete, Reinforcement in R.C.C work, or other hidden work etc in order that the same may be measured and correct dimension thereof be</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>taken before the same is so covered up or placed beyond the reach of measurement and shall not cover up or place beyond the reach of the measurement any work without the consent in writing of the Engineer-in-charge or his subordinate in charge of the work, and if any work shall be covered up or placed beyond the reach of measurement without such notice having been given or consent obtained the same be uncovered at the contractor's expenses, or in default hereof no payment or allowances shall be made for such work of the materials with which the same was executed.</p>
Clause No.18	<p><u>Contractor liable for damage done and for imperfection during the defect liability period :-</u></p> <p>If the contractor or his work people or servants shall break, deface injure or destroy any part of a building in which they may be working, or any building, road, fence, enclosure, grass land or cultivated ground contiguous to the premises on which the work or any part of it being executed, or if any damage shall happen to the work while in progress from any cause whatever, or any defect shrinkage or other faults appears in it within the defect liability period starting after a certificate final or otherwise of its completion shall have been given by the Engineer-in-Charge as aforesaid, the contractor shall make the same good at his own expense, or in default, the Engineer-in-Charge may cause the same to be made good by other workmen and deduct the expenses (of which the certificate of the Engineer-in-Charge shall be final) from any sum that may then or at any time thereafter, becomes due to the contractor or form his performance guarantee, security deposit or the proceeds of the sale thereof or a sufficient portion thereof or in any other manner, legally permissible. The defect liability period shall be 12 months from the date of completion of the contract for non bituminous works and 24 months from the date of completion of the contract for bituminous works. Performance guarantee shall be refundable after the defect liability period after deducting amount if any as above.</p>
Clause No.19	<p><u>Contractors Supply, plant, ladders, scaffoldings etc:-</u></p> <p>The contractor shall supply at his own cost all materials (except such special materials, if any as may in accordance with the contract, be supplied from the Engineer-in-charge's stores) plant, tools, appliances, implements, ladders, cordage, tackle, scaffolding and temporary works requisite or proper for the proper execution of the work whether original, altered or substituted and whether included in the specifications or other document forming part of the contract or referred to in these conditions or not, which may be necessary for the purpose of satisfying or complying with the requirements of the Engineer-in-charge as to any matter as to which under these conditions he is entitled to be satisfied or which he is entitled to require together with carriage there after to and from the work. The contractor shall also supply without charge the requisite number of persons with the means and materials necessary for the purpose of setting out work and counting weighting and assisting in the measurement or examination at any time and from time to time, of the work or material, Failing his so doing the same may be provided by the Engineer-in-charge at the expenses of the contractor and the expenses may be deducted from any money due to the contractor under the contract or from his security deposit or the proceeds of sale thereof, or of a sufficient portion thereof. The contractor shall also provide all</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	necessary fencing and lights required to protect the public from accident and shall be bound to bear the expenses of defense of every suit, action, or other proceedings at law that may be brought by any person for injury sustained owing to neglect of the above precautions and to pay any damages and costs which may be awarded in any such suit, action, or proceedings to any such person, or which may with the consent of the contractor be paid to compromise any claim by any such person. If any equipment is issued departmentally rent will be recovered from the contractor's bills at current rates fixed by the Chief Engineer the terms of such issue to be ascertained by the contractor from the Engineer-in-charge in writing in advance.
Clause No.20	<u>Subletting Contract:-</u> The contractor shall not assign or sublet without written approval of the officer accepting the contract on behalf of the Government in two bid system of tendering. The contractor may assign or sublet up to 50% of the contract value to the person and firm already registered in the department or to the person or firm having the same technical competency as per the respective class of registered contractor with prior approval, from the officer accepting the contract on behalf of the Government. And if the contractor shall assign or sublet his contract, without prior approval or attempt to do so, the Engineer-in- charge on behalf of the Government of Uttarakhand shall have power to adopt any of the courses specified in Clause-5 he may deem best suited in the interest of the Government.
Clause No.21	<u>Action on account of influence:-</u> If the contractor attempts to bribe or provide gratuity gift, loan, perquisite reward or any pecuniary advance or otherwise, shall either directly or indirectly, be given, promised or offered by the contractor, or any of his servant or agents to any Public Officer or person in the employment of Government in any way relating to his office or employment or if any such officer or person shall become in any way directly or indirectly interested in the contract the officer accepting the contract, on behalf of the Government may thereupon by notice in writing rescind the contract, and the security deposit of the contractor shall there upon stand forfeited and be absolutely at the disposal of Government and the same consequence shall ensue as if the contract had been rescinded under clause 5 hereof and in addition the contractor shall not be entitled to recover or be paid for any work thereto or for actually performed under the contract
Clause No.22	The Contractor shall not for the execution of the work employ any labor under 15 years of age and within the limits of any cantonment, any female labour. For every breach of this covenant the contractor shall be liable to pay by way of liquidated damages such sums minimum Rs. Two thousand but not exceeding Rs. Five thousand as the Engineer-in-charge may fix and recover such sum by deduction from any sums which may be due, or may at any time thereafter becomes due to the contractor. The provision of The child labour (Prohibition and Regulation) Act 1996 shall be applicable
Clause No.23	The contractor shall pay to labour employed by him either directly or through sub contractor wages not less than fair wages as defined in minimum wages Act 1948 and as amended from time to time and also as per Provision of



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	contract Labour (Regulations and Abolition) Act, 1970.
Clause No.24	In respect of all labour directly or indirectly employed in the work for the performance of the contract the contractor shall comply with or cause to be complied with all the directions issued by the Government from time to time for the protection of health and sanitary arrangement for workers employed by the contractors The provision of the building and other construction workers (Regulation of employment and conditions of services) Act 1996 shall be applicable.
Clause No.25	Leave and pay during leave of all labour employed by the contractor shall be regulated as per provision of the Building and other construction workers (Regulation of employment and conditions of services) Act 1996.
Clause No.26	The contractor will motivate and make all necessary assistance to have awareness among its labour regarding HIV Aids, Polio, Vaccination etc. the contractor will make all necessary assistances to have crèches and Sarvshiksha, for the Children of his labour employed at construction site.
Clause No.27	Regarding accommodation, Drinking water, sanitation, crèches, First Aid, canteens, etc. to its Labour employed directly or indirectly the provision of The Building and other construction workers (Regulation Of Employment And Conditions Of Services) Act 1996 and its amendments if any and as per provison of the contract labour (Regulation And Abolition) Act 1970 and its amendments if any shall be applicable.
Clause No.28	<p><u>Sums payable by way of compensation to be considered reasonable compensation without reference to actual Loss:-</u></p> <p>All sums payable by way of compensation under any of these conditions shall be considered as reasonable compensation to be applied to the use of Government without reference to the actual loss or damages sustained and whether or not any damages shall have been sustained</p>
Clause No.29	<p><u>Change in constitution of firm :-</u></p> <p>In the case of a tender by partners any change in the constitution of the firm shall be forthwith notified by the contractor to the Engineer-in-charge for his information.</p>
Clause No.30	All work to be executed under the contractor shall be executed under the direction and subject to the approval in all respects of the Engineer-in-charge for the time being who shall be entitled to direct at what point or points and in what manner they are to be commenced and from time to time carried on.
Clause No.31	<p><u>Protests:-</u></p> <p>(31.1) If the contractor considers any work demanded of him to be out side the requirement of contract, or considers any record or ruling of the Engineer-in-Charge or of his subordinate to be unfair, he shall immediately upon such work being demanded of such record or ruling being made, ask in writing</p>



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>for written instructions or decisions, whereupon he shall proceed without delay to perform the work or confirm to the record or ruling and within twenty days after date of receipt of the written instructions or decision he shall file a written protest appeal to the next higher to the officer accepting the tender stating clearly and in detail the basis of his objections. Except for such protest or objections, as are made on record in the manner here in specified and within the time limit stated the record, ruling instructions or decisions of the appellate officer as above shall be final and conclusive. Instructions and/ or decisions of the appellate officer contained in letters transmitting drawings to the contractor shall be considered as written instructions or decision subject to protest objections as wherein provided.</p> <p>(31.2) If the contractor is dissatisfied with the final decision of the appellate officer (officer next higher then the officer accepting the tender) in pursuance of Clause 31.1, the contractor may within thirty days after receiving notice of such decision, give notice in writing requiring that the matter be submitted to arbitration and furnishing detailed particular of the dispute or differences specifying clearly the point at issue. If the contractor fails to give such notice within the period of thirty days as stipulated above, the decision of the appellate officer shall be conclusive and binding on the contractor.</p> <p>(31.3) Except where otherwise provided in the contract all questions and disputes relating to meaning of the specifications, designs, drawings and instructions herein before mentioned and as to the quality or workman ship or materials used in the work or as to any other questions, claim, right, or rates for extra items sanctioned and decided or not by the competent authority under the condition of the contract, matter or thing whatsoever, in any way arising out of or relating to the contract, designs, drawings, specifications estimates instructions or orders on these conditions or otherwise concerning the works, or the execution or failure to execute the same. Whether arising during the progress of the work or after the completion or abandonment thereof shall be referred to the sole arbitration of the person or persons appointed by the Engineer-in-Chief, Uttarakhand Public Works Department, there will be no objection to any such appointments that the arbitrator so appointed is a Govt. servant that he had to deal with the matter to which the contract relates and that in the course of his duties as Government servant he had expressed views on all or any of the matters in dispute or differences. The arbitrator to whom the matter is originally or subsequently referred being incapacitate to act, the Engineer-in-Chief, shall appoint another person to act as arbitrator in accordance with the terms of contract. It is also a term of this contract that no person other than a person appointed by the Engineer-in-Chief of the Uttarakhand P.W.D as aforesaid shall act as arbitrator and if for any reason that is not possible, the matter is not to be referred to arbitration at all the arbitrator's may form time to time, with the consent of the parties enlarge the time for making and publishing the award.</p> <p>Subject as aforesaid the provisions of Arbitration and conciliation Act 1996, or any statutory modification or re-enactment. Thereof and the rules</p>
--	--



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>made there under and for the time being in force shall apply to the arbitration proceedings under this clause.</p> <p>The sole arbitrator or arbitrators to be appointed by the Engineer-in-Chief , shall be of the status given below:-</p> <p>(a) For claim for amount in dispute of not Over Rs. 75,00,000 (Rs. Seventy five lakh) in the case of work order and in case of contracts accepted by an Assistant Engineer/Executive Engineer.</p> <p>(b) For claims or amount in dispute of over Rs. 75,00000 and not over Rs. 2,00,000,00 (Rs. Two crore)</p> <p>(c) For claims or amount in dispute of aggregating to more than Rs. 2,00,000,00 (Rs. Two crore) and upto Rs. 5,00,000,00 (Rs. Five crore).</p> <p>(d) For claims or amount in dispute aggregating more than Rs. 5,00,000,00 crore (Rs. Five crore).</p> <p>All disputes between the parties to the contract arising out of and relating to the contract shall after written notice by either to the contract to the other party, be referred to arbitration as above. Unless the parties otherwise agree, such reference shall not take place until after the completion or abandonment of the works or the determination of the contract. The venue of arbitration shall be a place or places as may be fixed by the arbitrator in his/their sole discretion. Any suit or application for the enforcement of this arbitration Clause shall be filed in the competent court within District, and no other court of any other district of the Uttarakhand or outside Uttrakhand shall have any jurisdiction in the matter. The award of the arbitrator shall be , final, conclusive and binding on both the parties to the contract.</p>
--	---



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

Clause No.32	<u>Action where no specification is given:-</u> In the case of any class of work for which there is specification in the contract such work shall be carried out in accordance with the detailed P.W.D specifications and in the event of there being no detailed specifications for the same, the work shall be carried out in all respects in accordance with the instructions and requirements of the Engineer-in-charge.
Clause No.33	The additions and deductions on account of the percentage referred to at page 3 of the accepted tender will be calculated on the gross and not the net, amount of the bills for the work done.
Clause No.34	<u>Contractors percentage whether applied to net or gross amount of bills</u> <u>(Strike out this clause in the case of an item rate contract:-</u> (34.1) In every case in which by virtue of the provision of the section 12, subsection (i) of the Workman's Compensation act, 1923, Government is obliged to pay compensation to a workman employed by contractor or by any sub-contractor from him in the execution of the said work. Government will recover from the contractor the amount of the compensation so paid. And without prejudice to the rights of the government under section 12 subsection (2) of the said Act Government shall be at liberty to recover such amount or any part thereof by deducting it either from the security deposited by contractor to his credit under clause 1 of these conditions or from any other sum due to government from the contractor whether under this contract or otherwise. (34.2) Government shall not be bound to contest any claim made against it under section 12 sub-section (1) of the said act, except on the written request of the contractor and upon his giving to government full security of all costs for which government might become liable in consequence of contesting the claim.
Clause No.35	No earth for filling or for any other purpose shall be excavated from the site of work except with the written permission of the Engineer-in-Charge and then only of condition that the area, in which such excavation is made, shall be leveled and dressed by the contractor at his own expenses in accordance with the instructions of the Engineer-in-charge and in such a manner as to prevent the formation of pools of stagnant water and safety Hazards. If the contractor fails to comply with these conditions the Engineer-in-Charge may cause the ground to be leveled and dressed by other workmen and deduct the expense (of which the certificate by the Engineer-in-charge shall be final) from any sums which may be due or may any time thereafter becomes due, to the contractor or from his security deposit, or from the proceeds of sale thereof.
Clause No.36	<u>Safety:-</u> The contractor has to make all necessary arrangements for the safety of traffic, labour, all the activities, and unforeseen events at the site of work required



G.No. :- 120/III(2)-2014/20(सामान्य)/2011 Dated 08 January, 2014

	<p>during construction period as per prevailing law. In Road/ bridge construction all necessary measures regarding traffic safety during day and night has to be established at site of works such as providing retro-reflective caution boards, barriers, and other visible signals etc. to have regular/safe flow of traffic. Helmets, goggles and other safety wears for labour to be provided during construction.</p>
--	--

**SECTION-3: GENERAL CONDITION OF CONTRACT AS PER
G.P. W. FORM-9 (PWD, UTTARAKHAND)**

Letter of Bid Submission

दिनांक :—

सेवा में,

श्री अमन शर्मा
मुख्य कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण एवं निर्माण प्रबन्धन)
वाप्कोस लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
76-सी०, सैक्टर-18, गुरुग्राम-122015 (हरियाणा)

संदर्भ :— वाप्कोस का NIT No.: WAP/PMGSY(JCB)/2025-26/05

Date: 04.09.2025

महोदय,

संदर्भित NIT के सम्बन्ध में यह अवगत कराना है कि मैं
.. आपके पी०आई०य० के अधीन निम्न मार्ग हेतु *Emergency Maintenance Work including Slip Clearance and Construction of Protection Work for Road under PMGSY in Uttarakhand damaged during Monsoon Period 2025-26 in Distt.....Uttarakhand*” हेतु इच्छुक हूँ।

मार्ग का नाम :—

पी०आई०य० का नाम —

मुझे विभाग द्वारा निर्गत निविदा प्रपत्र की सभी शर्तें मंजूर हैं। मेरे द्वारा तकनीकी एवं वित्तीय निविदा (आवश्यक प्रपत्रों एवं संलग्नकों सहित) जमा की जा रही है।

(हस्ताक्षर)

निविदादाता के हस्ताक्षर

निविदादाता की मुहर

SCHEDULE-A: TECHNICAL BID FORM

1. Name of the firm
2. Type of firm-Proprietary /Partnership/Company/others
3. Whether Registered with PWD (Yes / No)
4. Registered Address

5. Present address

6. Telephone Nos.
7. Mobile Nos. of Key personnel
8. E-mail
9. Registration Certificate
10. GSTIN Number
11. Income Tax PAN Number
12. Proof of Ownership of JCB Machine / Excavator and other relevant documents (RC, Machine Insurance Paper, Driving License of Operator etc.)
13. Proof of Work Done for Construction of Protection Work earlier within last 5years

Signature of Bidder
(Name and Stamp)

➤ *Attach photocopies of all above relevant documents counter signed by Bidder and all documents required as per Bid Document.*

SCHEDULE- B: FINANCIAL BID FORM

FINANCIAL BID shall be filled by the bidder in this prescribed format of BOQ and filled in BOQ excel file online Part-2: Financial Bid.

Name of PIU:-

Name of Work: - *Emergency Maintenance Work including Slip Clearance and Construction of Protection Work for Road under PMGSY in Uttarakhand damaged during Monsoon Period 2025-26 in Disstt.....Uttarakhand*

Name of Road:-

Reference:- NIT No.: WAP/PMGSY(JCB)/2025-26/05

Date: 04.09.2025

Last Date of Receiving Tender:- Date 18.09.2025 (1:00 PM)

Time of Completion :- 4 Months

Dated of Opening Tender:- Date 18.09 .2025 (3:00 PM)

Validity Period :- 45 Days

Sl. No.	Item of Work	Quantity	Unit	Estimated Rates (Rs.)	Bidder's Rates (Rs.) Without GST	Bidder's Cost (Rs.) Without GST
1.	Details provided in BOQ separately and shall be filled online only.					
	Total Bidder's Cost (Rs.)					

Bidder's Cost (Rupees in Words).....

Note :-

- 1- Above Quoted Rates are including all taxes but excluding GST that shall be paid extra at prevailing rates.
- 2- Hourly Quoted Rates for the Machine / JCB includes the fuel and operator charges.
- 3- All the work shall be carried out as per detailed P.W.D. specification and C.R.F Guidelines.
- 4- Quantities are liable to vary on either side.
- 5- Income Tax, GST, Royalty etc. shall be deducted as per provision.
- 6- Photos of work before starting and after completion shall be provided by the contractor.
- 7- Before applying the tender, the contractor should visit the site of work.
- 8- Drawings, Details of Measurement are attached herewith

Signature of Bidder
(Name and Stamp)

SECTION-4: FORMS & FORMATS

Format for Date of Start

To,

(Successful Bidder)

Subject :- *Emergency Maintenance Work including Slip Clearance and Construction of Protection Work for Road under PMGSY in Uttarakhand during Monsoon Period 2025-26 in Distt.....Uttarakhand*

Dear Sir,

You are hereby informed that your Contract Bond No dated for the work mentioned below has been accepted by me on behalf of the client Uttarakhand Rural Road Development Agency (URRDA), Government of Uttarakhand.

Name of PIU :

Name of Road :

Cost of Bond :

You should start the work at site and the work should be completed by

Date of Start:-

Date of Completion:-

Yours Faithfully

Chief Executive Director (Envt. & CM)

WAPCOS Limited,

Gurugram, Haryana

No. / PMGSY/ Dated.

Copy in the following for information and necessary action please :-

- 1- Project Manager (PMGSY), WAPCOS Limited, Main Project Office, Basant Vihar, Dehradun, Uttarakhand for necessary action.
- 2- Resident Engineer, WAPCOS Limited, PIU-PMGSY,

Format of Letter of Acceptance

To,

(Successful Bidder.)

Subject :- *Emergency Maintenance Work including Slip Clearance and Construction of Protection Work for Road under PMGSY in Uttarakhand during Monsoon Period 2025-26 in Distt.....Uttarakhand*

Name of Road:

Reference :- Your Quotation/ Tender date

Sir,

You are hereby informed that your tender for the above noted work has been accepted by the undersigned for Rs. At your Tender/quoted rates on behalf of Uttarakhand Rural Roads Development Agency (URRDA) Government of Uttarakhand against your Earnest Money Deposit.

You are therefore requested to deposit a sum of Rs. as security and to attend the office of the undersigned to sign your contract paper within seven days of receipt of this letter failing which the acceptance shall be withdrawn and earnest money will be forfeited to government and deducted shall be made from your earnest money/general security. Stamp duty for Rs. 100/- only will be submitted at the time of signing on the bond papers.

Yours Faithfully

Chief Executive Director (Envt. & CM)

WAPCOS Limited,

Gurugram, Haryana

No. / PMGSY/

Dated.

Copy in the following for information and necessary action please :-

- 1- Project Manager (PMGSY), WAPCOS Limited, Main Project Office, Basant Vihar, Dehradun, Uttarakhand for necessary action.
- 2- Resident Engineer, WAPCOS Limited, PIU-PMGSY, Uttarakhand for execution of work at site as requirement.

FORMAT FOR THE AFFIDAVIT

(NOTE: This affidavit should be on a non-judicial stamp paper of Rs.10/- and shall be attested by Magistrate/ Sub-Judge/ Notary Public)

I, (name of the authorized representative of the bidder) son/daughter of re
sident of
..... (full address), aforesaid solemnly affirm and state as under:

1. I hereby certify that all the information furnished with the bid submitted online in response to notice inviting bid number date issued by (Authority inviting bids) for
.....
(name and identification of work) are **True and Correct.**
2. *I hereby certify that I have been authorized by
..... (the bidder) to sign on their behalf, the bid mentioned in paragraph 1 above.

Deponent

Place:

Date:

* not applicable if the bidder is an individual and is signing the bid on his own behalf.

FORMAT FOR THE BANK SOLVENCY CERTIFICATE

To,

**Executive Director
WAPCOS LIMITED
Gurgaon, Haryana**

This is to certified that **Mr./M/s. [Name of Applicant] S/o/D/o [Father's Name]**, resident of **[Full Address]**, is a reputed company with a good financial standing.

If the contract for the work, “.....**Name of Work**.....” is awarded to the above firm, we shall be able to provide overdraft/credit facilities to extend of **Rs.....(In Words)**. To meet their working capital requirements for executing the above contract.

Signature of Bank Manager
Name of Bank-
Branch-

Note:-

- * This certificate must be issued by a Nationalized Bank.
- * This certificate must be issued on the official letterhead of the Bank.